A–0126

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL 601

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

कथा साहित्य (भाग एक)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग में हिंदी गद्य की विकास की स्थिति पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

2. कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. कहानी के विकास में विभिन्न कहानी आंदोलनों की भूमिका पर निबंध लिखिए।

4. हिंदी उपन्यास के उद्‌भव की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

5. उपन्यास एवं कहानी के साम्य एवं वैषम्य का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गद्य और पद्य में अंतर को स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी गद्य के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान पर प्रकाश डालिए।

3. लघु कथा और लंबी कहानी में अंतर बताइए।

4. हिंदी भाषा के विकास में राजा शिव प्रसाद 'सितारेहिंद' के अवदान को रेखांकित कीजिए।

5. प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. हिंदी गद्य की एकरूपता एवं विकास के लिए फोर्ट विलियम कॉलेज, कलकत्ता की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

7. भारतेंदु युग के निबंधों की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

8. प्रगतिवादी कहानी से आप क्या समझते हैं?

****